an>

Title: Need to ensure compliance of admission rules in Jawahar Navodya Vidyalaya, Mati in Kanpur dehat disrict, Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर) ः मैं सरकार का ध्यान मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा चलाये जाने वाले जवाहर नवोदय विद्यालयों में छात्रों के चयन की प्रक्रिया एवं विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं में की जा रही अनियमितताओं की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1968 के अंतर्गत ऐसे आवासी विद्यालयों की कल्पना की गई जिन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय का नाम दिया गया, जो कि सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने का उत्तम प्रयास है। इस परियोजना का प्रमुख लक्ष्य गांव-गांव तक उत्तम शिक्षा पहुंचाना है। ये विद्यालय पूर्णतः आवासीय एवं नःशुल्क विद्यालय होते हैं जहां विद्यार्थियों को नःशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा एवं खेलकूद सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। किंतु मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत जनपद कानपुर देहात के माती में स्थापित जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की चयन प्रक्रिया में आर्थिक भ्रष्टाचार में कथित रूप से लिप्त होने के कारण यालमेल किया जाता है। उदाहरणार्थ, श्री विनीत कुमार पांडेय निवासी ग्राम भारामऊ रसूलाबाद की पुत्री कु. दीपांजलि पांडेय ने 28.05.2016 को नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी किंतु विद्यालय के प्राचार्य द्वारा कु. दीपांजलि पांडेय की आयु अधिक बताकर प्रवेश नहीं दिया, जबकि कु. दीपांजलि ने अपनी जन्मतिथि के संबंध में अनेक प्रमाण प्रस्तुत किये किंतु प्राचार्य द्वारा छात्रा के संबंध में कोई सुनवाई नहीं की गई। प्राचार्य द्वारा 11 छात्र-छात्राओं को चिकित्सकीय जाँच के लिए भेजा गया, जिसमें 8 छात्रों से कथित रूप से धन की उगाही कर विद्यालय में प्रवेश दे दिया गया। कु. दीपांजलि पांडेय के साथ-साथ ऐसा ही व्यवहार शिव सिंह यादव निवासी पुखरायां की पुत्री कु. प्रिया यादव के साथ किया गया। ऐसे कई प्रकरण हैं जिनके चलते गरीब परिवार के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उक्त के संबंध में मैंने माननीय मंत्री जी को भी अवगत कराया है। इसके साथ ही, नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं में भी विद्यालय प्रशासन द्वारा कटौती की जाती है।

अतः मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि जवाहर नवोदय विद्यालय, माती के प्रशासन द्वारा छात्र-छात्राओं के चयन में की जा रही अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषी जनों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें जिससे छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ न हो सके।